कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र./जन.कार्य./2024/416 दिनांक : 03/02/2024

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय/ब्यूरोचीफ
ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोट :

किसान की भलाई में ही देश की भलाई है: शेजवलकर

• कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित मेले को हजारों ने देखा

ग्वालियर। हमारे अन्नदाता किसान की भलाई में ही देश की भलाई हैं। हमें अपने परंपरागत जीवन मूल्यों, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, भूमि स्वास्थ्य सुरक्षा, श्रीअन्न के रूप में प्रतिष्ठित मोटे अनाजों के उपयोग पर बल दिया गया था, उसी दिशा में लौटना होगा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में अखिल भारतीय किसान मेला एवं अंतराष्ट्रीय कृषि तकनीकी प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुये मुख्य अतिथि ग्वालियर के सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने यह बात कही। चार दिवसीय किसान मेले में कृषि में आधुनिक प्रयोगों के आधार पर हो रहे परिर्वतनों, कृषि उपकरणों, उन्नत बीजों व तकनीकी सम्बंधी 200 से अधिक प्रदशर्नियों का हजारों किसानों, विद्यार्थियों व नागरिकों ने आज अवलोकन किया। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के मुख्य परिसर में यह मेला आज से 06 फरवरी तक चलेगा।

मुख्य अतिथि श्री शेजवलकर ने कहा कि अतीत में हमारा देश में खेती उच्च कोटि का व्यवसाय था। औद्योगिकीकरण के चलते इस क्षेत्र में अधोसंरचना व अनुसंधान की कमी के कारण हम कृषि में पिछड रहे थे परन्तु विगत 10 वर्षो से मोदी सरकार की नीतियों से बदलाव आया है। श्री अन्न हमारी विरासत है उसकी प्रतिष्ठा पुनः स्थापित हो रही है। भारतीय दर्शन जो कहता है कि प्रकृति हमारी पोषक है किन्तु वह हमारी हवस को पूरा नहीं कर सकती। इसी सबक के अनुरूप हमें प्रकृति के साथ खिलवाड के दुष्प्रभावों से बचते हुये अपनी कृषि करनी होगी जिससे अन्न दाता किसान और देश के आम व्यक्ति के जीवन में बदलाव भी हो।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष श्री बद्रीनारायण चौधरी ने कहा कि हरित क्रांति के कारण हमारे उत्पादन में वृद्धि तो हुई परन्तु उस कारण रासायनिक उर्वरकों व पेस्टीसाइड के उपयोग का किसान अधिक आदी हो कर इनका अंधाधुंध प्रयोग कर रहा है, जिससे हमारी जीवन पर खराब प्रभाव पड रहा है। आपने कहा कि शोध की दिशा क्या हो इसका हमें बारीकी से विचार करना होगा। हमारे कृषि वैज्ञानिकों को पौष्टिकता से भरपूर अन्न उपजाने व मोटा अनाज आम आदमी की थाली में फिर से जुडे इसकी ओर कदम बढाना होगा। श्री चौधरी ने कहा कि मिट्टी

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

हमारी माँ है, इसकी जीवंतता को बनाये रखने के लिये कृषि वैज्ञानिकों सहित किसानों को सही दिशा में प्रयास करने होगें। हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा श्रीअन्न को ग्लोबल फूड भी कहा गया है जिसे हमें सार्थक सिद्ध करना होगा। आपने कहा कि पुरानी कहावत जैसा खाए अन्न वैसा बने मन पर विचार करने से लगता है कि हमारे समाज में आज जो दोष है उसके लिये कहीं ना कहीं वह प्रदूषित अनाज कारण है जिसका हम प्रयोग कर रहे हैं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे किसान मेलों से हमें परिपूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है। इसके भव्य आयोजन के लिये विश्वविद्यालय प्रशंसा का पात्र है। आपने कहा कि हमारा देश तिलहन के क्षेत्र में अभी भी काफी पिछडा हुआ है। कुसुम, सरसों तथा मूंगफली का इस क्षेत्र में उत्पादन बढाने की काफी संभावना है। इसके लिये कृषकों तथा व्यवसायी वर्ग को साथ आना होगा। प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि के साथ व्यवसाय के रूप में पशुपालन, मत्स्य पालन, खाद्यान्न प्रसंस्करण को जोडकर किसान अपनी आमदनी बढा सकता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने सम्बोधन में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि कृषि आय भोजन एवं जीडीपी का उच्च कोटि का स्त्रोत है। वैदिक काल से देखे तो कृषि ही धन है, कृषि ही मेधा, कृषि ही हम सबके जीवन का आधार है। कृषि जो प्रकृति पर निर्भर करती है उसमें जल मिट्टी व मौसम परिवर्तन मुख्य भूमिका रखते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मिलेट्स स्कूल ऑन एयर की शुरुआत 01 मई 2023 को माननीय मध्यप्रदेश राज्यपाल द्वारा राज्यपाल भवन से हुई। इसमें हमारे दूरदर्शन व रेडियो ग्वालियर ने सहयोग प्रदान किया इनके संयुक्त प्रयास से हम पिछले नौ माह से हर सप्ताह सोमवार को आकाशवाणी व मंगलवार को दूरदर्शन पर श्रीअन्न की गुणवत्ता को बढाने हेतु प्रचार प्रसार कर रहे हैं, इसमें 38 वैज्ञानिको का सम्भाषण, डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उपमहानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, उपनिदेशक आई.सी.ए.आर. तथा 20 साल से ज्यादा मिलिट्स पर अनुसन्धान कर रहे अनेक राज्यों जैसे राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा आदि के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा भाग लिया गया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि हमें किसान भाइयों के जीवन उत्थान के लिए ऐसे कार्य करने है जिन से उनकी आय दुगनी ही नहीं चार गुनी हो और प्रकृति को भी कोई नुकसान न हो और गुणवत्ता भी बनी रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा श्रीअन्न भराव व जलभराव किया गया तथा लाईफटाईम अचीवमेंट पुरस्कार निदेशक, अटारी जोधपुर डॉ. जे.पी. मिश्रा तथा बेस्ट एकडमिशियन पुरस्कार डॉ. इन्दर सिंह तोमर, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त ग्वालियर एवं चंबल संभाग, म.प्र. श्री दीपक सिंह, फार्मटेक प्रतिनिधि के रूप में जसवंत वामनिया, रिषभ शाह भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. इन्दर सिंह तोमर, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर द्वारा किया गया। इस मेले में 16 राज्यों से आये हुए कृषक उत्पादक संगठन, स्वयंसहायता समूह, कम्पनियों एवं अन्य किसान हितग्राही संस्थाओं के द्वारा 200 तकनीकी प्रदर्शनी भी लगाई गई। साथ ही छोटे–छोटे कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित मिलेट्स उत्पाद, प्राकृतिक खेती, ऑर्गनिक फार्मिंग, कृषि संरक्षण, ड्रोन तकनीक का सजीव प्रसारण, खाद्यान्न प्रसंस्करण आदि विषयों को भी इस प्रदर्शनी में शामिल किया गया है। झाबुआ जिले के कलाकारों द्वारा नृत्य प्रदर्शन किया गया।